बी.ई.एस.सी.131

कला स्नातक
(बी.ए.जी.)

सत्रीय कार्य

जुलाई 2021 एवं जनवरी 2022

सत्रों में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए

पाठ्यक्रम कोड : बी.ई.एस.सी. 131

शिक्षाः संप्रत्यय, प्रकृति एवं परिप्रेक्ष्य

शिक्षा विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

बी.ई.एस.सी. 131:
शिक्षाः संप्रत्यय, प्रकृति एवं परिप्रेक्ष्य
सत्रीय कार्य (जुलाई 2021 एवं जनवरी 2022
सत्रों में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए)

प्रिय छात्र,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम निर्देशिका में सूचित किया था, इग्नू में आपकी प्रगति का मूल्यांकन दो भागों में किया जाता हैः (i) सत्रीय कार्यों द्वारा निरंतर मूल्यांकन; और (ii) सत्रांत परीक्षा। आपके संपूर्ण मूल्यांकन में सत्रीय कार्य का अधिभार 30 प्रतिशत तथा सत्रांत परीक्षा का अधिभार 70 प्रतिशत होता है।

आपको एक 6 क्रेडिट पाठ्यक्रम के लिए 3 तथा 4 क्रेडिट पाठ्यक्रम के लिए 2 शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य (टी एम ए) करने हैं। इस सत्रीय कार्य पुस्तिका में आपके कोर पाठ्यक्रम **बी.ई.एस. सी. 131: शिक्षाः संप्रत्यय, प्रकृति एवं परिप्रेक्ष्य** का शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य दिया गया है। यह पाठ्यक्रम 6 क्रेडिट का है। अतः इस पुस्तिका में शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य हैं जिनके अंकों का योगफल 100 है और अधिभार 30 प्रतिशत है।

सत्रीय कार्य – क में वर्णनात्मक वर्ग के प्रश्न (DCQs) हैं। इनमें आपको निबन्धात्मक प्रकार के उत्तर लिखने हैं जिनमें प्रस्तावना और निष्कर्ष भी होते हैं। इनका लक्ष्य आपकी विषयवस्तु की ठीक से समझ ज्ञान को भली प्रकार और सुस्पष्ट रूप से व्यक्त करने की क्षमता का मूल्यांकन करना है।

सत्रीय कार्य – ख में मध्य स्तर वर्ग के प्रश्न (MCQs) हैं। यहाँ आपकी विषय की तर्कों के अनुसार व्याख्या करते हुए संगठित उत्तर लिखने की क्षमता का मूल्यांकन किया जाता है। दूसरे शब्दों में, यहाँ आपकी विभिन्न संकल्पनाओं एवं प्रक्रियाओं में भेद एवं तुलना कर पाने की क्षमता का आंकलन किया जाएगा।

सत्रीय कार्य – ग में, लघु वर्ग के प्रश्न (SCQs) हैं। ये प्रश्न आपकी व्यक्तियों, रचनाओं, घटनाओं या संकल्पनाओं एवं प्रक्रियाओं की स्पष्ट समझ को पुनःस्मरण कर संबद्ध जानकारी को संक्षेप में व्यक्त करने की क्षमता का विकास करेंगे।

सत्रीय कार्य करना आरंभ करने से पूर्व कार्यक्रम निदेशिका के निर्देशों को ध्यानपूर्वक समझ लें। यह बहुत महत्त्वपूर्ण है कि आप अपने शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें। आपके उत्तर बताई गई शब्द सीमा में ही होने चाहिए। याद रखें कि इन प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन कला में सुधार होगा और आपकी सत्रान्त परीक्षा हेतु तैयारी भी होगी।

आपको सत्रांत परीक्षा में शामिल होने का पात्र बनने के लिए कार्यक्रम निदेशिका में बताई गई समय सीमाओं में ही अपने सभी सत्रीय कार्य जमा कराने होंगे।

सम्पूरित सत्रीय कार्य जमा करना

प्रवेश सत्र	सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि	सत्रीय कार्य जमा करने का स्थान
जुलाई 2021 सत्र में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए	30 अप्रैल 2022	विद्यार्थी अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास
जनवरी 2022 सत्र में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए	31 अक्तूबर 2022	

आपको अध्ययन केंद्र से सत्रीय कार्य जमा करने की रसीद मिलेगी और उसे संभाल कर रखें। संभव हो तो अपने सत्रीय कार्य की एक फोटो प्रतिलिपि भी अपने पास रखें।

अध्ययन केंद्र मूल्यांकन के बाद आपके सत्रीय कार्य आपको लौटाएगा। कृपया इस पर जोर दें। आपको मिले अंक विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, नई दिल्ली को भेजें जाएंगे।

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्यों में दिए गए सभी वर्गों के प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों के अनुसार देंगे। इन बातों का ध्यान रखना उपयोगी रहेगा।

1) **नियोजन** : सत्रीय कार्यों (प्रश्नों) को ध्यान से पढ़ें और उन इकाइयों को पढ़ें जिन पर वे आधारित हैं। प्रत्येक प्रश्न के महत्वपूर्ण बिन्दुओं को लिखकर रखें तथा उन्हें तार्किक क्रम में पुनःव्यवस्थित करें।

2) **गठनः** अपने उत्तर की प्रारंभिक रूपरेखा तैयार करते समय कुछ चयन और विश्लेषण जरूर करें। अपनी प्रस्तावना तथा निष्कर्ष पर विशेष ध्यान दें:
सुनिश्चित करें कि आप के उत्तरः
   क) तर्क–आधारित एवं सुसंगतिपूर्ण हों;
   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट संबंध सूत्र हों; और
   ग) लिखत समय अभिव्यक्ति, शैली एवं प्रस्तुति पर ध्यान देते हुए सही उत्तर दिए गए हों।

3) **प्रस्तुतिः** जब आप अपने उत्तरों से स्वयं संतुष्ट हो जाएँ, तो जमा कराने के लिए अपने अंतिम उत्तर साफ–साफ लिखें, जहाँ आवश्यक हों, महत्वपूर्ण बिन्दुओं को रेखांकित भी करें। यह भी ध्यान रखें कि बताई गई शब्द सीमाओं का अनुपालन हो रहा हो।

शुभकामनाओं के साथ!

शिक्षा विद्यापीठ

इग्नू

बी.ई.एस.सी. 131 : शिक्षाः संप्रत्यय, प्रकृति एवं परिप्रेक्ष्य
अनुशिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य
(टी एम ए)

पाठ्यक्रम कोडः बीईएसई–131
सत्रीय कार्य कोडः बीईएसई–131/टीएमए/जुलाई 2021 और जनवरी 2022
पूर्णांकः 100

तीन सत्रीय कार्य है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सत्रीय कार्य क

निम्नलिखित प्रत्येक के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

1. विभिन्न अधिगम वातावरणों जैसे अनौपचारिक (इनफार्मल), औपचारिक (फार्मल) और निरौपचारिक (नान–फार्मल) शिक्षा की दृष्टि से शिक्षा के कार्य क्षेत्र की व्याख्या कीजिए। 20

2. शिक्षा के उद्देश्यों, पाठ्यचर्या, शिक्षाशास्त्र (पेडागाजी) और शिक्षकों की भूमिका के विशेष संदर्भ में महात्मा गाँधी के शैक्षिक दर्शन की परिचर्चा कीजिए। 20

सत्रीय कार्य ख

निम्नलिखित प्रत्येक के उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए।

3. सामाजिक परिवर्तन को प्रभावित करने वाले कारकों की उपयुक्त उदाहरणों द्वारा परिचर्चा कीजिए। 10

4. बच्चे के सामाजीकरण के लिए एक अभिकरण के रूप में विद्यालय के प्रकार्यों का वर्णन कीजिए। 10

5. शैक्षिक मनोविज्ञान की एक प्रविधि के रूप में प्रयोगात्मक प्रविधि की विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 10

सत्रीय कार्य ग

निम्नलिखित प्रत्येक के उत्तर लगभग 125 शब्दों में दीजिए।

6. बच्चे की शिक्षा के विकास के लिए एक अभिकरण के रूप में परिवार की भूमिका की परिचर्चा कीजिए। 5

7. तत्वमीमांसा (मेटाफिजिक्स) की अवधारणा और शिक्षा के साथ इसके सम्बन्ध की व्याख्या कीजिए। 5

8. जान डिवी के अनुसार शिक्षा की अवधारणा एवं उद्देश्य बताइए। 5

9. सह–संस्कृतिकरण और परसंस्कृतिग्रहण में अंतर स्पष्ट कीजिए। 5

10. सामाजिक संरचनावाद के शैक्षिक निहितार्थों की परिचर्चा कीजिए। 5

11. सर्जनात्मकता के चरणों की व्याख्या कीजिए। 5